सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 155 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 10 जुलाई, 2025

यदि आप दूसरों को प्रसन्न देखना चाहते हैं तो करुणा का भाव रखें। यदि आप स्वयम प्रसन्न रहना चाहते हैं तो भी करुणा का भाव रखें।

-दलाई लामा

भारत ने टी-20 सीरीज में 3-1 की बनाई... 7 | योगी की कुर्सी पर फिर मंडराया... 3 | सपा सरकार आई तो फिर देंगे... 2

चुनाव आयोग की भूमिका पर 'सुप्रीम' सवाल

बिहार वोटर लिस्ट पुनरीक्षण की याचिका पर सुनवाई

» **जस्टिस बोले-** चुनाव आयोग जो कर रहा है वो उसका संवैधानिक दायित्व

» **प्रमुख विपक्षी दलों ने डाली हैं याचिकाएं**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामलों की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के साथ ही चुनाव आयोग ने अपनी-अपनी दलीलें पेश कीं।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर सवाल किए। शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि आपको यह प्रक्रिया जल्द शुरू करनी चाहिए थी। इस दौरान निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि उसे बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर कुछ आपत्तियां हैं। जस्टिस धुलिया ने कहा कि इसे इतना मत बढ़ाओ। इस सब में एक व्यावहारिक पहलू भी है। वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि इन लोगों का पहले से ही सत्यापन हो जाए। यहाँ अनुच्छेद 14 कहाँ से आता है? इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग जो कर रहा है वह उसका संवैधानिक दायित्व है। इसे कराने का तरीका चुनाव आयोग तय करेगा। कानून में स्पेशल रिवीजन का प्रावधान है।

शीर्ष अदालत ने कहा- यह प्रक्रिया जल्द शुरू करनी चाहिए थी

मताधिकार से वंचित करना लोकतंत्र व बुनियादी ढांचे पर सीधा प्रहार : सिंघवी

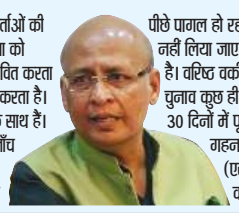

वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश होते हुए कहा कि एक भी योग्य मतदाता को मताधिकार से वंचित करना समान अवसर को प्रभावित करता है, यह लोकतंत्र और बुनियादी ढांचे पर सीधा प्रहार करता है। जिस पर पीठ ने कहा कि हम इस मामले में आपके साथ हैं। यह मानते हुए कि चुनाव आयोग नागरिकता की जाँच कर सकता है, यह एक बिल्कुल अलग प्रक्रिया है। किसी को आकर दिखाना होगा। पूरा देश आधार के पीछे पागल हो रहा है और फिर चुनाव आयोग कहता है कि आधार नहीं लिया जाएगा। यह बिल्कुल नागरिकता जाँच की प्रक्रिया है। वरिष्ठ वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अब जबकि चुनाव कुछ ही महीनों दूर हैं, चुनाव आयोग कह रहा है कि वह 30 दिनों में पूरी मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करेगा।

कांग्रेस, टीएमसी राजद, सपा समेत कई दलों ने की थी आपत्ति

प्रमुख विपक्षी दलों के नेता सांसद महुआ मोइत्रा (तृणमूल कांग्रेस), मनोज कुमार झा (राष्ट्रीय जनता दल), केसी वेणुगोपाल (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस), सुप्रिया सुले (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार), डी राजा (भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी), हरिदर मलिक (समाजवादी पार्टी), अरविंद सावंत (शिवसेना यूबीटी), सरफराज अहमद (झारखंड मुक्ति मोर्चा), दीपांकर भट्टाचार्य (भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम आदि द्वारा याचिकाएँ दायर की गई हैं।

भूकंप से कांपा दिल्ली-एनसीआर, 4.4 रही तीव्रता

» **हरियाणा के झज्जर में था भूकंप का केन्द्र**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। गुरुवार सुबह 9 बजकर 4 मिनट पर अचानक धरती कांपने लगी। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.4 मापी गई। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद में करीब 10 सेकेंड तक धरती हिलती रही।

गुरुवार सुबह से हो रही बारिश के बीच दिल्ली-एनसीआर में सुबह 9 बजकर 4 मिनट के करीब धरती जब कांपी तो लोग खौफ में आ गए. भूकंप के झटके इतने तेज थे कि दफ्तरों में काम कर रहे लोगों और घरों में बैठे लोगों ने भी इसे महसूस किया। भूकंप का केंद्र दिल्ली से 51 किमी। दूर हरियाणा के झज्जर में जमीन की 10 किमी. गहराई में था। भारत में जनवरी से लेकर अभी तक कई जगहों पर अलग-अलग समय में भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं। दिल्ली और आसपास के इलाकों में इस साल अभी तक कई बार भूकंप महसूस किया जा चुका है। एक बार भूकंप का केंद्र हरियाणा में बताया गया। दिल्ली के अलावा हरियाणा में भी भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं।

9:04
मिनट पर सुबह अचानक धरती कांपी

10
10 सेकेंड तक हिली धरती

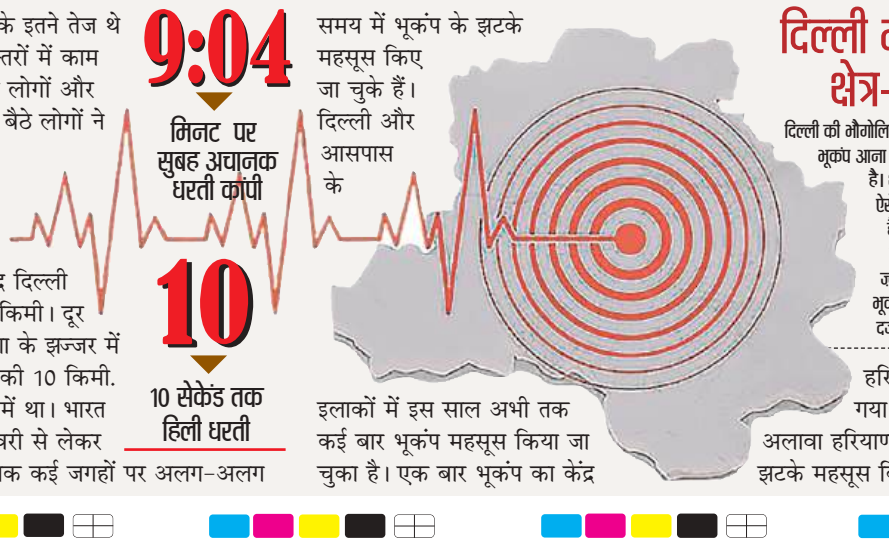

दिल्ली भूकंपीय क्षेत्र-4 में

दिल्ली की भौगोलिक स्थिति की वजह से ऐसे भूकंप आना कोई असामान्य बात नहीं है। शहर में पहले भी कई बार ऐसे झटके महसूस किए गए हैं। साल 2020 में, राष्ट्रीय राजधानी में 3.0 तीव्रता से ज्यादा के कम से कम तीन भूकंप आए। जिसके बाद एक दर्जन से ज्यादा झटके आए।

राजधानी में भूकंप का खतरा ज्यादा

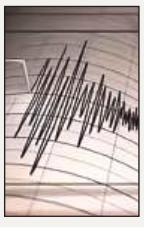

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक, दिल्ली भूकंपीय क्षेत्र 4 में स्थित है, जहां भूकंप का खतरा ज्यादा रहता है। इस क्षेत्र में भूकंपीयता काफी ज्यादा है, जहां आमतौर पर 5-6 तीव्रता के भूकंप आते हैं, और कभी-कभी 7-8 तीव्रता के भी, हालांकि, ज़ोनिंग एक सतत प्रक्रिया है जो बदलती रहती है।

सपा सरकार आई तो फिर देंगे यश भारती : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- भाजपा सिर्फ पुरस्कारों को बंद करती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अगर उनकी पार्टी जीतकर सत्ता में आती है तो 'यश भारती' और 'रानी लक्ष्मीबाई' जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार फिर से शुरू किये जाएंगे।

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने इन पुरस्कारों को बंद कर दिया था। खेल, कला और साहित्य जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता को मान्यता देने वाले इन पुरस्कारों के साथ नकद मानदेय प्रदान किया जाता था। यश भारती पुरस्कार उत्तर प्रदेश के विशेष उपलब्धियां प्राप्त करने वाले लोगों को दिया जाता था, जबकि रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार ऐसी महिला प्रतिभाओं के लिए था। सभी क्षेत्रों के प्रतिभावानों को मान्यता देने की अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराते हुए, अखिलेश ने कहा, ''चाहे वे उत्तर प्रदेश में रहते हों या कहीं और, योग्य व्यक्तियों को इन पुनः स्थापित पुरस्कारों के माध्यम से सपा सरकार द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

टेनिस खिलाड़ी सासा कटियार को सम्मानित करते अखिलेश यादव।

महंगाई और बेरोजगारी से जनता परेशान

अखिलेश ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी से जनता परेशान है। सरकारी अस्पतालों में इलाज नहीं मिल पाता है। भाजपा भूमाफिया बन गई है। उन्होंने कहा कि तालाब की सरकारी जमीनों पर भाजपाई अवैध कब्जे कर रहे हैं। जमीनों पर कब्जा करना ही भाजपा का एजेंडा है। सपा अध्यक्ष ने कहा आरएसएस उत्तर प्रदेश में नागपुर जैसा केंद्र बना रही है। भाजपा समाज में झूठ और नफरत फैला रही है। सांविधानिक संस्थाओं को कमजोर कर रही है। भाजपा लोकतंत्र और संविधान विरोधी है।

सपा में आए नए सदस्यों का स्वागत किया

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सपा में कई नए सदस्यों का स्वागत किया, जिनमें सोशल मीडिया पर छाए फिटनेस प्रेमी राजा यादव भी शामिल हैं। राजा यादव को उनके वायरल फिटनेस और स्टंट वीडियो के लिए बिहारी टार्ज़न के नाम से जाना जाता है। इंस्टाग्राम पर राजा यादव के 36 लाख से ज़्यादा 'फॉलोअर्स' हैं।

बच्चों ने सौंपी अपनी राशि

अखिलेश यादव को गोरखपुर से आईं कक्षा तीन की बालिका रश्मिका यादव और कक्षा 6 के बालक राजेश यादव विक्की ने अपने गुल्लकों की राशि भेंट की। इन बच्चों के साथ उनकी मां शौर्य यादव ने भी अखिलेश यादव से मुलाकात की। अखिलेश ने इन बच्चों की भावनाओं की भूरि-भूरि सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हुजूर, आते-आते बहुत देर कर दी : मदन राठौड़

» राजस्थान में कांग्रेस के संगठन विस्तार को लेकर भाजपा का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जोधपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने आज अपने जोधपुर के अल्प प्रवास के दौरान कांग्रेस पर चुटकी लेते हुए कहा कि भाजपा की तरह अब कांग्रेस भी मंडल अध्यक्षों और बूथ स्तर की समितियां बना रही है लेकिन यह कदम बहुत देर से उठाया गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा- हुजूर, आते-आते बहुत देर कर दी। उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी।

राठौड़ ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता के निधन पर शोक व्यक्त किया। साथ ही आज राजस्थान में हुए विमान हादसे में पायलट व सह-पायलट की मृत्यु तथा बस-ट्रक टक्कर में मारे गए लोगों को भी श्रद्धांजलि दी।फिल्म उदयपुर फाइल को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि फिल्म बनाना और कोर्ट में जाना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए। यदि विरोध होता है, तो कानून व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। महाराष्ट्र में भाषा के आधार पर लोगों से मारपीट के मामलों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि भाषा संवाद का माध्यम है। मूक-बधिर भी इशारों से संवाद करते हैं। भाषा के आधार पर हिंसा उचित नहीं है। मैंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से बात की है और ऐसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

गहलोत को भी घेरा

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पंडित कहे जाने पर राठौड़ ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पंडित शब्द विद्वान होने का प्रतीक है। भजनलालजी वास्तव में पंडित हैं और रहेंगे। उन्होंने गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि जब उन्होंने सचिन पायलट को नकारा और निकम्मा कहा था, तब क्या वह भाषा उचित थी? कांग्रेस द्वारा किए जा रहे संगठनात्मक ढांचे के विस्तार को लेकर राठौड़ ने कहा कि अगर कांग्रेस संगठन निर्माण की प्रक्रिया सीखना चाहती है, तो हमारे पास आ जाए। भाजपा इस दिशा में पहले ही कार्य कर चुकी है। कांग्रेस अब बहुत देर से सक्रिय हुई है।

कोर्ट की फटकार के बाद सरकार की हठधर्मिता दुर्भाग्यपूर्ण : बेनीवाल

» सांसद बिफरे-अब सरकार एसआई भर्ती घोटाले में क्रेडिट लेने का खेल खेल रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि न्यायालय अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है, लेकिन कोर्ट की सख्त फटकार के बावजूद भजनलाल सरकार का हठधर्मिता पर अड़े रहना और दोहरे रवैये को जारी रखना दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि कोर्ट ने सरकार से यह कड़ा सवाल पूछा है कि जब पेपर लीक हुआ है तो यह कैसे तय किया जाएगा कि कितने अभ्यर्थी सही तरीके से चयनित हुए और कितने फर्जी तरीके से। सांसद बेनीवाल ने आरोप लगाया कि अब सरकार एसआई भर्ती घोटाले में क्रेडिट लेने का खेल खेल रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह कोई गुड्डे-गुड़िया का खेल नहीं है कि एक दिन कुछ बयान दें और अगले दिन कुछ और कहें। युवाओं से अपील करते हुए बेनीवाल ने कहा कि मैं लगातार आपके हक की लड़ाई लड़ रहा हूं, लेकिन आपको भी यह लड़ाई मजबूती से लड़नी होगी, नहीं तो आने वाली पीढ़ियां आपसे सवाल पूछेंगी। उन्होंने भजनलाल सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बजरी माफिया को खुली छूट दी जा रही है और नागौर जिले के रियां क्षेत्र में किसानों पर जिस तरह वाहन चढ़ाकर उन्हें कुचला गया, उससे साफ है कि प्रदेश में जंगलराज जैसी स्थिति बन गई है। पुलिस भी सरकार और माफियाओं के दबाव में काम कर रही है, इसलिए कार्रवाई नहीं हो रही है। सांसद ने स्पष्ट किया कि एसआई भर्ती को रद्द करने और राजस्थान लोक सेवा आयोग के पुनर्गठन की मांग को लेकर रालोपा का संघर्ष और धरना आंदोलन जारी रहेगा।

हरियाणा हमारा दुश्मन नहीं, भाई : सीएम मान

एसवाईएल विवाद पर बातचीत, सीएम ने पानी देने के लिए रखी शर्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ । सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर विवाद मामले को सुलझाने के लिए पंजाब और हरियाणा अब सहमति बनाने की ओर बढ़े हैं। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के साथ दिल्ली में हुई पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों की बैठक में एसवाईएल के मुद्दे पर चर्चा हुई।

बैठक में मान ने कहा कि सिंधु जल संधि रद्द होने के बाद चिनाब व रावी चैनल से पंजाब को मिलने वाले 23 मिलियन एकड़ फीट (एमएएफ) पानी में से अपना हिस्सा लेकर हरियाणा, राजस्थान और मध्यप्रदेश तक पानी देने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। इस बिंदु पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी सहमति दी है। मान ने कहा कि हरियाणा हमारा दुश्मन नहीं, भाई है। अगर सिंधु जल संधि के रद्द होने से उन्हें चिनाब, रावी और पुंछ नदियों में से रिपेरियन स्टेट के नाते 23 एमएएफ पानी मिल जाता है तो पंजाब और हरियाणा के बीच केवल 3 से 4 एमएएफ पानी का ही विवाद है। इससे एसवाईएल नहर विवाद का हल हो जाएगा। अगर पुरानी बातों पर ही ध्यान देते रहेंगे तो इस समस्या का हल नहीं निकल पाएगा। सीएम मान ने कहा कि एसवाईएल नहर विवाद पंजाब के लिए नासूर बन चुका है। हम हमेशा के लिए इसे खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से इस मसले का जल्द हल निकालने का आग्रह किया। मान ने कहा कि अब अगली बैठक दिल्ली में 5 अगस्त को होगी। 13 अगस्त को सुप्रीमकोर्ट में इस मामले में सुनवाई है। उम्मीद है कि 5 अगस्त की बैठक में उनके सुझाव को अमल में लाकर इस विवाद का निपटारा करने में केंद्र सहयोग करेगा।

बीबीएमबी की शिकायत

एसवाईएल नहर विवाद पर बैठक के बाद सीएम मान ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) की शिकायत की है। उन्होंने मंत्री से बताया कि किस प्रकार बीबीएमबी पंजाब के हितों का हनन कर रहा है। पंजाब के अधिकार क्षेत्र को खत्म करने के आदेश जारी किए जा रहे हैं। वह पंजाब के हितों के लिए किसी भी सूरत में समझौता नहीं करेंगे। 2022 तक सत्ता में आने तक राज्य में केवल 22 प्रतिशत तक नहरी पानी का उपयोग किया जा रहा था जो 61 प्रतिशत तक पहुंच चुका है।

कन्हैया कुमार से डरा हुआ है राजद नेतृत्व : प्रशांत किशोर

» सुराज पार्टी ने नएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी की जमकर की तारीफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के प्रमुख प्रशांत किशोर ने एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार की जमकर तारीफ की है और उन्हें बिहार में कांग्रेस का सबसे प्रभावशाली नेता बताया है। साथ ही, उन्होंने कांग्रेस के भीतर अंदरूनी तनाव की ओर भी इशारा किया है।

किशोर ने दावा किया कि राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) कन्हैया जैसे नेताओं से डरा हुआ है, उन्हें डर है कि वे नेतृत्व को चुनौती दे सकते हैं। उनकी यह टिप्पणी बिहार में मतदाता सूची संशोधन के खिलाफ महागठबंधन के विरोध प्रदर्शन के दौरान कन्हैया कुमार और पप्पू यादव को सुरक्षाकर्मियों द्वारा वैन में चढ़ने से रोके जाने के बाद आई है। इस घटना के बारे में बात करते हुए, किशोर ने कहा कि राजद नहीं चाहता कि कन्हैया जैसे प्रभावशाली नेता कांग्रेस में सक्रिय रहें। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में कांग्रेस का कोई आधार नहीं है, और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राजद पर उनकी निर्भरता का संकेत दिया।

योगी की कुर्सी पर फिर मंडराया खतरा!

शाह और केशव की मुलाकात के बाद लगने लगे कयास

» यूपी में जल्द बदलने वाला है सीएम!

» केशव प्रसाद मौर्य और अमित शाह की मुलाकात चुनावी रणनीति

» बीजेपी पंचायत चुनावों की तैयारियों में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

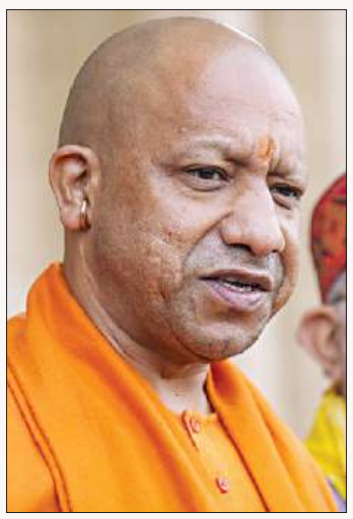

लखनऊ। यूपी बीजेपी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। सीएम योगी और केशव प्रसाद मौर्य के बीच हमेशा से छत्तीस का आंकड़ा रहा है। केशव मौर्य अमित शाह के खास नेताओं में से हैं और सीएम की गद्दी पर विराजमान होने की चाहत रखते है, लेकिन उनकी कोई भी चाल सही से काम नहीं कर रही है। इन सभी का सबसे बड़ा कारण योगी आदित्यनाथ हैं। अमित शाह योगी आदित्यनाथ को सीएम पद से हटाना चाह रहे है। शाह की योगी से नहीं बनती है, यह जगजाहिर है कई बार मंचों से अमित शाह ने योगी को किनाने कर दिया है और सीएम से अधिक डिप्टी सीएम केशव मौर्य को बरीयता दी है और अपने संबोधन में मेरे सबसे प्रिय मित्र तक कह दिया है।

इस सभी बयानों के सामने आने के बाद यह साफ हो जाता है कि अमित शाह भी सीएम योगी से खुश नहीं है। अमित शाह केशव मौर्य को यूपी का सीएम बनाने की फिराक में हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव फिर से योगी के चेहरे पर ही भाजपा लड़ेगी लेकिन इस बार परफार्मेंस के आधार पर सीएम को चुना जाएगा। ऐसी तमाम खबरें सामने आ चुकी है क्योंकि लोकसभा चुनाव में बीजेपी की उत्तर प्रदेश में हालात खराब हो गई थी और अस्सी सीटों का दावा करने वाली भाजपा चालीस सीट भी नहीं जीत पाई थी जिससे योगी आदित्यनाथ की किरकिरी भी हुई थी। तभी से यूपी में सीएम बदलने की अटकलें तेज हो गई थी और आज तक जारी है। वहीं अमित शाह से केशव की मुलाकात ने यूपी की राजनीति में नई बहस को जन्म दिया है और एक बार फिर से सीएम बदलने की अटकलें तेज हो गई हैं। आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले पंचायत चुनाव होने ह और सभी प्रमुख राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी इसकी तैयारियों में जुट गए है। बीजेपी ने अपनी रणनीति को और मजबूत करने के लिए कमर कस ली है। जमीनी स्तर पर माहौल तैयार करने के साथ-साथ पार्टी के शीर्ष नेताओं की बैठकों का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। इसी कड़ी में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बीच हाल ही में हुई मुलाकात को राजनीतिक हलकों में बेहद अहम माना जा रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और पूर्व बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस मुलाकात को आगामी विधानसभा और पंचायत चुनावों के लिए रणनीति तैयार करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार दोनों नेताओं के बीच 2027 विधानसभा चुनाव में बीजेपी की जीत को सुनिश्चित करने। पंचायत चुनाव की तैयारियो नए प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष की नियुक्ति और संभावित कैबिनेट विस्तार जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। वहीं केशव प्रसाद मौर्य ने मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि भारतीय राजनीति के चाणक्य लाखों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शक देश के यशस्वी गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी से शिष्टाचार भेंट कर 2027 में उत्तर प्रदेश में 2017 की प्रचंड जीत को दोहराने और तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा कर मार्गदर्शन प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

दोनों के बीच है गहरा राजनीतिक और व्यक्तिगत रिश्ता

आपको बता दें कि केशव प्रसाद मौर्य और अमित शाह के बीच गहरा राजनीतिक और व्यक्तिगत रिश्ता रहा है। 2017 के विधानसभा चुनाव में केशव प्रसाद मौर्य यूपी बीजेपी के अध्यक्ष थे। जबकि अमित शाह प्रदेश के प्रभारी थे। उस समय बीजेपी ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता हासिल की थी। हाल ही में लखनऊ में एक कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने मंच से केशव मौर्य को मेरे मित्र कहकर संबोधित किया था। जिसे केशव ने शाह के बड़प्पन के रूप में स्वीकार करते हुए कहा था कि उनके लिए अमित शाह गुरु के समान हैं।

अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुटे सभी दल

आपको बता दें कि सपा, कांग्रेस और बसपा जैसे विपक्षी दल भी अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। सपा जहां ग्रामीण और पिछड़े वर्गों को साधने की कोशिश में है। वहीं कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और बसपा अपने पारंपरिक वोट बैंक को फिर से सक्रिय करने की रणनीति पर काम कर रही है। हालांकि बीजेपी की संगठनात्मक ताकत और केंद्र-राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उसे मजबूत स्थिति में रखता है। वहीं अब देखना होगा कि केशव मौर्य और अमित शाह की मुलाकात उत्तर प्रदेश की सियासत में क्या रंग लाती है। क्या वास्तव में सीएम योगी की कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है। अमित शाह अपने चहेते केशव मौर्य को सीएम की कुर्सी की पर बैठाकर ही मानेंगे। यह तो आने वाला वक्त तय करेगा।

बीजेपी की नजर पंचायत चुनाव

वहीं बीजेपी की नजर न केवल 2027 के विधानसभा चुनाव पर है बल्कि उससे पहले होने वाले पंचायत चुनाव पर भी है। पंचायत चुनाव को बीजेपी जमीनी स्तर पर अपनी ताकत बढ़ाने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के अवसर के रूप में देख रही है। इसके अलावा नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति और कैबिनेट विस्तार जैसे मुद्दे भी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हैं इन सभी पहलुओं पर अमित शाह और केशव मौर्य की मुलाकात में रणनीतिक चर्चा हुई है। जिसका लक्ष्य 2017 की तरह 2027 में भी प्रचंड जीत हासिल करना है।

पुल हादसे के बाद गुजरात मॉडल पर तीखा प्रहार, विपक्ष बोला- जमकर हुआ भ्रष्टाचार

» कांग्रेस ने उठाए कई गंभीर सवाल

» सरकार की नाकामी से 12 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुजरात। गुजरात के वडोदरा जिले में एक पुल का कुछ हिस्सा ढह जाने की वजह से कई गाड़ियां नदी में समा गईंज्ज जबकि इस हादसे में 12 लोग मारे गए और कई लोग घायल हो गए। चार दशक पुराने पुल के ढहने की घटना के बाद विपक्षी दलों की ओर से जान-माल के इस नुकसान पर राज्य की बीजेपी सरकार पर हमला तेज कर दिया गया है।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने पोस्ट में कहा कि वडोदरा में महिसागर नदी पर बना गंभीरा ब्रिज बीच से टूट गया। हादसे में कई गाड़ी नदी में गिर गए। जिसके चलते कुछ लोगों की मौत हो गई व कई लोग घायल हुए हैं। कांग्रेस परिवार पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है। साथ ही ईश्वर से प्रार्थना है कि वे घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करे। ये हादसा 'गुजरात मॉडल' के नाम पर हुए जमकर भ्रष्टाचार की पोल खोल रहा है। वहीं हादसे को लेकर गुजरात कांग्रेस विधायक दल के नेता अमित चावड़ा ने कहा कि गुजरात के आणंद और वडोदरा जिलों को जोड़ने वाला मेन पुल गंभीरा पुल ढह गया। पूरे सौराष्ट्र का यातायात यहां से होकर गुजरता है। हमने सरकार से बार-बार मांग की थी, और लोगों ने उन्हें पत्र भी लिखे थे कि पुल की हालत ठीक नहीं है और इसकी मरम्मत कराई जानी चाए लेकिन सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया इसी वजह से यह बड़ा हादसा हो गया। आपको बता दें कि इस पुल का निर्माण 1985 में हुआ था मंत्री ने कहा कि घटना के वास्तविक कारण की जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने तकनीकी विशेषज्ञों को घटनास्थल पर पहुंचने और हादसे के कारण की जांच का निर्देश दिया है। करीब 900 मीटर लंबे पुल के 23 खंभे हैं और यह गुजरात के वडोदरा और आणंद जिलों को जोड़ता है।

सरकार की लापरवाही की वजह से पुल ढह : अमित चावड़ा

अमित चावड़ा ने कहा कि सरकार की लापरवाही की वजह से आज यह पुल ढह गया और कई लोगों की मौत हो गई। हम सरकार से हादसे की जांच की मांग करते हैं। हमने आणंद और वडोदरा प्रशासन से तुरंत बचाव कार्य शुरू करने के लिए बात की है। पुल ढहने की घटना के बाद वैकल्पिक व्यवस्था की भी मांग की गई है। साथ ही हम सरकार से मांग करते हैं कि गुजरात में ऐसी घटनाएं बार-बार होती रहती हैं। इसलिए उसे राज्य के सभी पुलों का ऑडिट करवाना चाहिए। उनके फिटनेस सर्टिफिकेट लेने चाहिए और उन्हें सार्वजनिक करना चाहिए।

'गुजरात मॉडल' भ्रष्टाचार का दूसरा नाम : सुप्रिया श्रीनेत

वहीं कांग्रेस की एक अन्य नेता और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी हादसे पर दुख जताया और कहा कि वडोदरा में महिसागर नदी पर बना गंभीरा ब्रिज बीच से टूट गया। कई गाड़ी नदी में गिर गए। जिसके चलते कुछ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। पीड़ित परिवारों को हमारी संवेदनाएं। खोखला 'गुजरात मॉडल' भ्रष्टाचार का दूसरा नाम है। इससे पहले गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि गंभीरा पुल का एक स्लैब ढह जाने से कुछ गाड़ियां महिसागर नदी में गिर गईं। महिसागर नदी पर स्थित गंभीरा पुल मध्य गुजरात और राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र को जोड़ता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पेड़ लगाने से ज्यादा जरूरी उसे बचाना

यूपी में बुधवार को पूरे राज्य में सरकार ने 37 करोड़ से ज्यादा पेड़ लगवाने को दावा किया। पर क्या वाकई ये दावा बाद में सही साबित होगा इस पर गंभीर संशय हो सकता है। क्योंकि पिछले कई सालों से जुलाई के महीने में इस तरह क आयोजन होते हैं। इसके नाम सरकार का करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाया जाता है। पर अमूमन देखने को मिलता है कि पेड़ों की देखभाल नहीं की जाती है पेड़ या तो सूख जातें हैं या जानवरों द्वारा चर लिए जाते हैं। ऐसे में सवाल उठता है अगर इसी तरह से होता रहा तो वनों का विकास कैसे होगा। ये भी देखने में आता है कि अक्सर बड़े लोग सोशल मीडिया पर दिखावे के चक्कर में पौधे लगाकर फोटो खींच लेते हैं। पौधा लगाने के बाद जिम्मेदारी होती है कि पौधे की देखभाल करें। पौधे में पानी की व्यवस्था के लिए बूंद-बूंद सिंचाई के लिए ड्रिप सिस्टम लगाया जाना चाहिए, ताकि एक साथ आसपास पौधे पनप सकें।

पौधे लगाने के बाद उनकी देखरेख के लिए नियमित पानी देना, खरपतवार हटाना, जैविक खाद डालना, धूप और छांव का संतुलन बनाना, कीटों से बचाव के लिए प्राकृतिक उपाय अपनाना चाहिए। पौधों के चारों ओर जाल या बाड़ लगाकर जानवरों से सुरक्षा करनी चाहिए। समय-समय पर गुड़ाई करते रहें ताकि हवा और नमी भीतर तक पहुंच सके। निरीक्षण जरूरी है। पौधे की देखरेख की सबसे ज्यादा जरूरत है उसके विकास के लिए। सरकारी योजना में लगने वाले पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी सुनिश्चित होनी चाहिए जिससे उनको समय पर खाद, पानी और अन्य पोषक तत्त्व मिल सकें। पौधे लगाने के बाद उनकी नियमित देखभाल करनी चाहिए। जब मिट्टी की ऊपरी परत सूख जाए तब पानी दें। पानी का जड़ तक पहुंचना बहुत जरूरी है। पौधों को धूप अवश्य मिले। कुछ पौधे आंशिक छाया में पनप सकते हैं। पौधों में समय-समय पर खाद देना अत्यधिक जरूरी है। जैविक खाद का प्रयोग करें। उपलब्ध न होने पर रासायनिक खाद का इस्तेमाल किया जा सकता है लेकिन इसमें मात्रा का ध्यान अवश्य रखें। ज्यादा होने पर पौधे जल जाते हैं। पौधों को बढ़ाने के लिए उनकी छंटाई आवश्यक है। पीली पत्तियों और टहनियों को साफ करते रहें। पौधे की मिट्टी को खुरपी की सहायता से खोदकर ऊपर नीचे करते रहें ताकि उनकी वृद्धि जल्दी हो। अगर जनअभियान के तहत सरकार को लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करे तो वन भी बढ़ेंगे और पर्यावरण का संरक्षण भी होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकारें व आम जन वनों को बचाने के लिए पेड़ तो लगाएंगे ही साथ ही वे उसे काटने व कटने से भी बचाएंगे।

“ पौधा लगाने के बाद जिम्मेदारी होती है कि पौधे की देखभाल करें। पौधे में पानी की व्यवस्था के लिए बूंद-बूंद सिंचाई के लिए ड्रिप सिस्टम लगाया जाना चाहिए, ताकि एक साथ आसपास पौधे पनप सकें। पौधे लगाने के बाद उनकी देखरेख के लिए नियमित पानी देना, खरपतवार हटाना, जैविक खाद डालना, धूप और छांव का संतुलन बनाना, कीटों से बचाव के लिए प्राकृतिक उपाय अपनाना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

किसानों को विवशता की हद से मुक्त कराएं

विश्वनाथ सचदेव

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक छोटा-सा वीडियो वायरल हुआ था। आपने भी देखा होगा एक बूढ़ा किसान बैल बनकर अपने खेत को जोत रहा है। उसे कितनी ताकत लगानी पड़ रही है इस काम में, इसका अहसास उसके चेहरे को देखकर अनायास ही हो जाता है। उसके पीछे से टेका देने का काम उसकी बूढ़ी पत्नी कर रही है। यह चित्र लगभग 70 वर्षीय किसान अम्बादास पवार और उसकी पत्नी का है। चार बीघा जमीन है दोनों के पास। पर हल चलाने के लिए बैल खरीदना उसके बस की बात नहीं है। इसलिए वह खुद बैल बन गया है! ज्ञातव्य है कि यह दृश्य उस महाराष्ट्र का है जिसकी गणना देश के विकसित राज्यों में होती है। ज्ञातव्य यह भी है कि देश में किसानों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं में महाराष्ट्र के किसानों की संख्या सर्वाधिक है- पिछले तीन महीनों में अर्थात अप्रैल, मई, जून, 2025 में महाराष्ट्र में 767 किसानों को आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा है! पिछले दस सालों में यह आंकड़ा औसतन प्रतिदिन दस आत्महत्याओं का पड़ता है।

पचपन साल पहले देश में हरित क्रांति हुई थी। यह एक सच्चाई है। कृषि क्षेत्र में हमारे कृषि वैज्ञानिकों और हमारे किसानों ने 1970 में इस सच्चाई को साकार किया था। लेकिन यह सच्चाई जितनी मीठी है, उतनी ही कड़वी यह सच्चाई भी है कि हरित क्रांति के बावजूद हमारे किसानों की हताशा के फलस्वरूप देश में होने वाली आत्महत्याओं की संख्या लगातार डरावनी बनी हुई है। किसानों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं का यह शर्मनाक सिलसिला हरित क्रांति के चार-पांच साल बाद ही शुरू हो गया था! इसका कारण खोजने की आवश्यकता नहीं है, यह एक खुला रहस्य है कि कृषि क्षेत्र में विकास के सारे दावों के बावजूद अधिसंख्य किसान अभावों की जिंदगी ही जी रहे हैं। इस दौरान बड़े-बड़े दावे हुए हैं किसानों के विकास के। करोड़ों-करोड़ों रुपया कथित 'खुशहाल किसानों' की तस्वीर दिखाते विज्ञापनों पर खर्च हो रहा है; हर किसान का बैंक खाता होने का ढिंढोरा पीटा जा रहा है।

यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि विज्ञापनों की सच्चाई और स्थिति की भयावहता कुछ और ही वर्णन कर रही है। यदि हमारा अन्नदाता सचमुच समृद्ध होता जा रहा है तो फिर देश की अस्सी करोड़ आबादी मुफ्त अनाज लेने के लिए विवश क्यों है? इस मुफ्त अनाज को भले ही कुछ भी नाम दिया जाये, पर हकीकत यही है कि सरकार के सारे दावों और वादों के बावजूद देश का औसत किसान

आज भी ऋण में पैदा होता है, ऋण में जीता है और ऋण में ही मरने के लिए शापित है। यह शाप कब दूर होगा? किसानों की दुर्दशा के जो कारण बताये जाते हैं, उनमें सबसे पहला स्थान ऋण का ही है। साहूकारों से, बैंकों से और अन्य सरकारी एजेंसियों से हमारा किसान ऋण लेता है। और यह ऋण समाप्त होने का नाम ही नहीं लेता! जिन्हें ऋण मिल जाता है, उनकी जिंदगी उसे चुकाने में ही कट जाती है। यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना जरूरी है कि भारत का किसान उन उद्योगपतियों की तुलना में कहीं अधिक ईमानदार है जो बैंकों से अरबों का ऋण लेते हैं और या तो स्वयं को दिवालिया घोषित कर देते हैं या फिर विदेश में कहीं ऐसी जगह पर बस जाते हैं जहां से उन्हें भारत प्रत्यर्पित करना आसान नहीं होता। अरबों-खरबों के इन देनदारों को इस बात से भी कोई अंतर नहीं पड़ता कि दुनिया उन्हें बेईमान कह रही है। उनकी तुलना में हमारा किसान कहीं अधिक शर्मदार है। ऋण न चुका पाने की स्थिति में वह शर्म से गड़ जाता है। आंख नहीं उठती उसकी। राजेश रेड्डी का एक 'शेर' है, शाम को जिस वक्त खाली हाथ घर जाता हूं मैं/ मुस्कुरा देते हैं बच्चे और मर जाता हूं मैं'। यह 'मैं' भारत का वह किसान भी हो सकता है जो शाम को खाली हाथ घर जाने के लिए विवश है। वह मजदूर भी हो सकता है जो बच्चों की मुस्कुराहट को ही भूल जाता है। निराशा उसके दिमाग में पलने लगती है और हताशा हर शाम उसके चेहरे पर दिखाई देने लगती है। और फिर किसी एक दिन यह हताशा और निराशा, आत्महत्या बनकर दुनिया के सामने आ जाती है। इसमें थोड़ा-सा हिस्सा उस शर्म का भी होता है जो ऋण न चुका पाने की किसान की पीड़ा से उपजती है। आत्महत्या किसी समस्या का समाधान नहीं है।

किसी सवाल का जवाब भी नहीं है। मदद के लिए किसी हताश व्यक्ति का अंतिम चीत्कार ही कहा जा सकता है इसे। लेकिन यह कतई ज़रूरी नहीं है कि स्थितियां इस मोड़ तक पहुंचने दी जाएं। स्थितियों को बदलने का एक रास्ता लातूर के किसान अम्बादास और उनकी पत्नी ने दिखाया है। यह सही है कि बैल बनकर खेत जोतना समस्या का समाधान नहीं है। इसे विवशता की पराकाष्ठा के रूप में ही स्वीकारा जा सकता है। नहीं आनी चाहिए ऐसी नौबत कि किसी बूढ़े अम्बादास को अपना खेत जोतने के लिए बैल बनना पड़े। लेकिन इसे मनुष्य की कुछ भी कर सकने की क्षमता के रूप में भी देखा जा सकता है।

समग्र प्रयासों में निहित जल संकट का समाधान

दीपक कुमार शर्मा

डे जीरो-एक ऐसा शब्द है जो अब केवल एक संभावित आपदा नहीं, बल्कि 21वीं सदी के सबसे गंभीर मानवीय संकटों में से एक का प्रतीक बन चुका है। यह शब्द पहली बार 2018 में वैश्विक स्तर पर चर्चा में तब आया जब दक्षिण अफ्रीका का कैपटाउन शहर पानी की आपूर्ति पूरी तरह समाप्त होने के कगार पर पहुंच गया था। 'डे जीरो' वह दिन होता है जब शहर के सभी नल बंद कर दिए जाते हैं, और नागरिकों को सार्वजनिक वितरण केंद्रों पर लंबी कतारों में खड़े होकर सीमित मात्रा में पानी प्राप्त करना पड़ता है। कैपटाउन में यह सीमा प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 25 लीटर निर्धारित की गई थी। हालांकि इस संकट का कारण केवल जलवायु परिवर्तन या वर्षा की अनिश्चितता नहीं था-यह दशकों की नीति विफलता, शहरों का अति-विस्तार, परंपरागत जल स्रोतों की उपेक्षा और जल प्रबंधन में बड़ी खामियों का संयुक्त परिणाम था। कैपटाउन ने कड़ी नीतियों और नागरिक सहभागिता से इस आपदा को कुछ समय के लिए टाल दिया है।

लेकिन पानी की गंभीर किल्लत की आहट अब भारत के दरवाजे तक होने लगी है। भारत जैसे देशों में, जहां जनसंख्या अत्यधिक है, शहरीकरण अनियंत्रित है, और भूजल दोहन पर कोई स्पष्ट नियंत्रण नहीं-डे जीरो अब भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि एक आसन्न यथार्थ है। बेंगलुरु, जिसे कभी 'झीलों का शहर' कहा जाता था, आज जल संकट के सबसे भीषण दौर से गुजर रहा है। यहां की अधिकांश झीलें अब या तो कचरा डंपिंग साइट बन चुकी हैं या अवैध निर्माण की भेंट चढ़ गईं। भूजल स्तर हर वर्ष 10-12 मीटर की दर से नीचे जा रहा है। बेंगलुरु में डे जीरो की आंशिक झलक तब देखने को मिली जब पूरे शहर में टैंकर के पानी पर निर्भरता बढ़ी। चेन्नई भी 2019 में डे जीरो जैसे संकट का सामना कर चुका है जब उसके चारों जलाशय सूख गए थे। वहीं दिल्ली की स्थिति भी बेहतर नहीं-शहर की मुख्य जलधारा यमुना प्रदूषण और अतिक्रमण की शिकार है, जबकि भूजल स्तर अत्यधिक गंभीर श्रेणी में जा चुका है।

नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक भारत के 21 बड़े शहरों में जलापूर्ति पूरी तरह समाप्त हो सकती है। पानी के मामले में हरियाणा की स्थिति भी चिंताजनक है। धान, गन्ने जैसी अत्यधिक जल-खपत वाली फसलों का विस्तार, सिंचाई तकनीकों का अल्प उपयोग और नगण्य वर्षा जल संचयन ने भूजल अंधाधुंध तरीके से समाप्त कर दिया। केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार हरियाणा के 85 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रों में भूजल स्तर खतरनाक स्तर पार कर चुका है। भारत में जल संकट के लिए जिम्मेदार केवल वर्षा की अनियमितता नहीं है, बल्कि जल निकायों पर अतिक्रमण, नीति असंगति, शहरी अपशिष्ट का जल स्रोतों में मिलना और लोगों में जल बचत के प्रति उदासीनता जैसे कारक भी उतने ही उत्तरदायी हैं। जल संकट से निपटने के लिए कई योजनाएं तो बनाई गईं, लेकिन उनका क्रियान्वयन कागज़ी आंकड़ों तक ही सीमित रह गया।

मसलन, जल जीवन मिशन को सिर्फ 'हर घर नल' तक सीमित समझा गया, जबकि उसका मूल उद्देश्य स्थानीय जल स्रोतों का सशक्तीकरण और सामुदायिक सहभागिता के जरिए जल आत्मनिर्भरता था। इस स्थिति से निपटने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। जल को केवल सरकारी जिम्मेदारी न मानकर नागरिक सहभागिता पर बल देना होगा। जल संरक्षण को जीवनशैली में लाना होगा - जैसे कैपटाउन में लोगों ने बर्तनों में नहाने का पानी जमा कर पौधों को सींचा, हाथ धोते समय नल बंद करना सीखा और शौचालयों में रिसाइकल पानी का प्रयोग शुरू किया। भारत में भी प्रत्येक इमारत में वर्षा जल संचयन अनिवार्य करना चाहिए, जिसे स्थानीय निकाय सख्ती से लागू करें। भूजल का मापन, नियमन और पुनर्भरण एक समर्पित मिशन के तहत चलाया जाए। जल जीवन मिशन को स्थानीय स्रोतों को पुनर्जीवित करने और जल संरक्षण पर केंद्रित करना होगा। शहरी क्षेत्रों में कंक्रीट की जगह परकोलेशन पिट्स, बायोस्वेल्स और हरित क्षेत्र बढ़ाने होंगे ताकि वर्षा जल भूमि में जज्ब हो सके। पानी की कीमत समझना और उपभोग पर नियंत्रण लाना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए स्लैब आधारित मूल्य निर्धारण, जहां न्यूनतम जरूरतों के बाद अतिरिक्त खपत पर उच्च शुल्क लगे, एक व्यावहारिक नीति हो सकती है। इससे पानी का विवेकपूर्ण उपयोग प्रोत्साहित होगा। वहीं, तकनीकी नवाचार जैसे जल रिसाव की स्मार्ट निगरानी, अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग और समुद्री जल से मीठा पानी बनाने की प्रक्रिया को प्रमुखता दी जानी चाहिए।

चेन्नई ने समुद्री जल शोधन संयंत्र की ओर कदम बढ़ाया है, और यह उन तटीय शहरों के लिए प्रेरणा हो सकता है जहां भूजल या वर्षा जल अपर्याप्त है। स्कूलों और कॉलेजों में जल शिक्षा को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाए। आने वाली पीढ़ी को जल के महत्व और उसके संरक्षण के व्यावहारिक तरीकों से परिचित कराना अब एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी बन गई है। भारत को एक राष्ट्र के रूप में जल सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी, नीतिगत, प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर समन्वित प्रयास करने होंगे। दरअसल, जल को लेकर आत्मनिर्भरता केवल योजना की भाषा में नहीं हो, जमीनी क्रियान्वयन और जनचेतना में झलकनी चाहिए। तभी हम डे जीरो के खतरे को टाल सकते हैं।

घर पर बनाएं जामुन शॉट्स

गर्मियों के मौसम में हर कोई ऐसी चीजों का सेवन करना चाहता है, जिससे स्वास्थ्य भी बेहतर रहे और शरीर को ठंडक भी मिले। ऐसे में हम एक नई ड्रिंक का उपयोग कर सकते हैं। जो आपके शरीर के लिए काफी लाभदायक है। जामुन शॉट्स जामुन से तैयार होती है। जामुन शॉट्स एक ठंडा शरबत या हेल्दी ड्रिंक होता है, जिसे शॉट ग्लास में सर्व किया जाता है। इसमें जामुन का खट्टा-मीठा स्वाद और मसालों का तड़का इसे खास बनाता है। इसमें पाए जाने वाले तत्व शरीर को आंतरिक ठंडक पहुंचाकर आपको तरोताजा करेंगे। दरअसल, इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन्स, और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हैं। तो बस बिना सोचे अपने घरवालों और मेहमानों के लिए इसे तैयार करें।

सामान

पके हुए जामुन-1 कप, भुना हुआ जीरा- ½ टीस्पून, काला नमक- स्वादानुसार, नींबू का रस- 1 टीस्पून, पुदीने की पत्तियां- कुछ बर्फ के टुकड़े, सोडा- ½ कप।

विधि

जामुन शॉर्ट बनाने के लिए सबसे तो जामुन लाकर उसे अच्छी तरह से धो लें। ध्यान रखें कि ये बिल्कुल गंदे नहीं होने चाहिए। अब जामुन को धोकर उसका गूदा निकाल लें। ये सबसे कठिन काम होने वाला है। आपको जामुन में से गूदा और गुठली को अलग कर देना है और फिर गूदे को एक कटोरी में निकाल लेना है। गूदा निकालने के बाद जामुन के गूदे में काला नमक, भुना जीरा और नींबू रस मिलाएं। इसके बाद इसे मिक्सी में थोड़ा पानी डालकर ब्लेंड कर लें। इसके बाद अब एक शॉर्ट ग्लास के किनारों पर हल्का सा नमक चिपका लें, इससे सजावट अच्छी लगती है। अब इस गिलास में बर्फ डालें, ऊपर से जामुन शॉट्स का मिश्रण डालें। इसके बाद स्वाद बढ़ाने के लिए आखिर में इसमें सोडा डालें। परोसने से पहले दो पत्ती पुदीने को गिलास के ऊपर रखें और सर्व करें।

झटपट बनाएं कटहल की सब्जी

जब घर में बच्चे होते हैं, तो उनके लिए उनका पसंदीदा खाना बनाना सबसे कठिन काम होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चे खाने में काफी नखरे दिखाते हैं। ऐसे में उन्हें हर रोज घर का खाना खिलाना काफी मुश्किल हो जाता है। गर्मियों की बात करें तो इस सीजन में लौकी, तोरई, भिंडी, टिंडे, करेला और कटहल जैसी सब्जियां आती हैं, जो बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी पसंद नहीं आती। इसी के चलते हम आपको कटहल की ऐसी सब्जी बनाएंगे जिसे बड़े तो खाएंगे ही , बल्कि बच्चे भी एक बार खाकर दोबारा इसे मांगेंगे। कटहल की सब्जी ग्रेवी और सूखी दोनों तरह की बन सकती है, लेकिन हम आपको कटहल की सूखी सब्जी बनाना सिखाएंगे।

सामान

कटहल- 500 ग्राम, सरसों का तेल- 3-4 टेबलस्पून, हींग- 1 चुटकी, जीरा- 1/2 चम्मच, अदरक-लहसुन का पेस्ट- 1 टेबलस्पून, टमाटर - 2, हल्दी पाउडर- 1/2 चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1 चम्मच, धनिया पाउडर -1 चम्मच, गरम मसाला- 1/2 चम्मच, नमक, हरा धनिया।

विधि

इस सब्जी को बनाने के लिए सबसे पहले आपको कटहल को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लेना है। इसके बाद कुकर में डालकर एक दो सीटी लगाएं। ताकि ये थोड़ा पक जाए। यदि आप कटहल को उबालकर बनाएंगी तो ये ज्यादा अच्छा बनेगा। जब ये उबल जाए तो उसे पानी में से निकालकर अलग रख दें और सूखने दें। अब बारी आती है इसका मसाला तैयार करने की तो सबसे पहले एक कढ़ाही में सरसों का तेल गरम करें जब तक वो धुआं छोड़ने लगे। तेल के गर्म होने के बाद इसमें इसमें हींग और जीरा डालें। जब जीरा भुन जाए तो अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर 1-2 मिनट भूनें। इसके बाद अब इसमें टमाटर डालें, साथ में हल्दी, धनिया, मिर्च और नमक डालें। मसाले को तब तक भूनें जब तक तेल न छोड़ने लगे। जब मसाले तेल छोड़ दें तो फिर उसमें उबले कटहल को डालें। उबला हुआ कटहल डालकर मसालों में अच्छी तरह मिला लें। इसे अब आपको तब तक पकाना है, जब तक ये सुनहरा न हो जाए। 19 मिनट तक इसे पकाएं और इसे बीच-बीच में चलाते रहें। सबसे आखिर में इसमें गरम मसाला डालकर इसे मिक्स करें। अब जब ये पूरी तरह से पक जाए तो इसमें हरा धनिया डालें। अब ये परोसने के लिए तैयार है।

हंसना मना है

भिखारी: साहब एक रुपया दे दो। साहब: तुम्हें शरम नहीं आती, रोड पर खड़े होकर भीख मांगते हो, भिखारी: अब तुझे एक रूपये मांगने के लिए ऑफिस खोलूं क्या?

साइकिल चलाकर पैर दुखे तो बाईक ली, बाईक चलाकर पीठ दुखी तो कार लाये, कार चलाकर पेट निकला तो जिम ज्वाइन किया और जिम में वापस साइकिल पर, इसे कहते हैं रिसायक्लिंग।

पत्नी: आप मुझे रानी क्यों बोलते हो? पति: क्योंकि नौकरानी थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है.. पत्नी गुस्से से: तुम्हें पता है कि मैं तुम्हें जान क्यों बोलती हूं? पति: नहीं.. बताओ तो जरा.. पत्नी: जानवर थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है इसलिए सिर्फ जान बोल देती हूं।

बाप- 5 के बाद क्या आता है? बेटा- 6 और 7 पापा! बाप- शाबाश बेटा मेरा तो बहुत इंटेलीजेंट है, अच्छा तो 6, 7 के बाद! बेटा- 8, 9, 10, बाप- और उसके बाद? बेटा- और उसके बाद गुलाम, बेगम और बादशाह!

कहानी — संघर्ष ही शक्ति को विकसित करता है

एक बार एक आदमी ने अपने बगीचे में एक तितली के कोकून को देखा। उसने नोटिस किया कि उस कोकून में एक छोटा सा छेद बन हुआ है, उसने देखा की छोटी तितली उस छेद से बाहर निकलने की बहुत कोशिश कर रही थी। बहुत देर तक कोशिश करने के बाद भी वो उस छेद से बाहर नहीं निकल पा रही थी, वह बहुत कोशिश करती रही, फिर वह शांत सी हो गयी, उस आदमी को लगा जैसे उसने हार मान ली हो। इसलिए उस आदमी उस तितली की मदद करने के उद्देश्य से एक कैंची उठायी और कोकून की छेद को बड़ा कर दिया की जिससे तितली आसानी से बाहर निकल पाए और यही हुआ, तितली बिना किसी संघर्ष के आसानी से बाहर निकल गयी, पर उसका शरीर सूजा हुआ था, और पंख सूखे हुए थे। उस आदमी को लगा कि वो तितली अपने पंख फैला कर उड़ने लगेगी, पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। बल्कि कुछ समय बाद ही वह मर गयी। इसका उसे काफी दुःख हुआ। उस आदमी ने अपने बुजुर्ग को यह सारी बात बताई, बुजुर्ग ने बताया असल में कोकून से निकलने की प्रक्रिया को प्रकृति ने इतना कठिन इसलिए बनाया है, जिससे ऐसा करने से तितली के शरीर में मौजूद तरल पदार्थ उसके पंखों में पहुंच सके, और वो छेद से बाहर निकलते ही उड़ पाए। जिंदा रह सके। और तुमने उस की मदद करके उसकी सामान्य प्रक्रिया को तोड़ दिया। जिसके कारण उसका यह हश्र हुआ। **शिक्षा**-दोस्तों असल में कभी-कभी हमारे जीवन में संघर्ष ही हमें वो मजबूती प्रदान करता है, जिससे हम आगे बढ़ सके, क्योंकि यदि हमे बिना संघर्ष के जीवन में कुछ मिलेगा तो हम अपंग हो जायेंगे और यदि सफल भी हो गये तो ज्यादा समय तक सफल नही रह पाएंगे। इसलिए जीवन में आने वाले कठिन पलों को सकारात्मक दृष्टिकोण से स्वीकार करे, क्योंकि वो हमे मजबूत बनाते है ना की मजबूर।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — काम में मन नहीं लगेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। विवाद से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है।

वृषभ — नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रयास सफल रहेंगे। लाभ होगा।

मिथुन — नए काम करने का मन बनेगा। दूर यात्रा की योजना बनेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा।

कर्क — व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

सिंह — स्वयं के काम पर ध्यान दें। कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। व्यापार ठीक चलेगा। कार्यकुशलता कम होगी। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें।

कन्या — व्यापार मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी।

तुला — सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है।

धनु — व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। लाभ के लिए प्रयास करें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों से कहासुनी हो सकती है। भागदौड़ होगी।

मकर — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। निवेश सोच-समझकर करें। नौकरी में चैन रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो।

कुम्भ — सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उत्साह बना रहेगा। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। आशंका व कुशंका रहेगी।

मीन — यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। विवेक का प्रयोग करें।

'वॉर 2' को लेकर उत्साहित हैं कियारा आडवाणी, बोलीं-नहीं हो रहा इंतजार

ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी की फिल्म 'वॉर 2' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को लेकर दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और पहली बार जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन का पर्दे पर क्लैश देखने के लिए दर्शक खासा उत्साहित हैं। हाल ही में फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है। जिसके बाद अभिनेता ऋतिक रोशन ने फिल्म की शूटिंग पूरे होने पर फिल्म के अपने अनुभवों को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया था। इसमें उन्होंने अपने को-एक्टर्स जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी का भी जिक्र किया था। अब अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने भी फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है और फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर एक पोस्ट शेयर किया है। कियारा ने अपने एक्स अकाउंट पर ऋतिक की पोस्ट को ही री-शेयर किया है। इसके साथ ही कियारा ने लिखा, उत्साह दोनों का एक जैसा ही है ऋतिक। आपके साथ स्क्रीन शेयर करना एक यादगार अनुभव रहा, जिसे कभी भूला नहीं जा सकता। आदी सर, तारक और हमारी शानदार टीम ने जो अद्भुत तैयार किया है, उसे लोगों के सामने लाने का इंतजार नहीं हो रहा। अपनी इस पोस्ट में कियारा ने ऋतिक और जूनियर एनटीआर को मेंशन भी किया है। इससे पहले ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर केक काटते हुए एक फोटो शेयर की थी। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों को साझा करते हुए एक खास नोट भी लिखा था। इसमें उन्होंने फिल्म के अपने को-एक्टर्स कियारा, जूनियर एनटीआर को भी मेंशन करते हुए उनके साथ काम करने के अपने अनुभवों को जाहिर किया था। 'वॉर 2' यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है और 2019 में आई फिल्म 'वॉर' का सीक्वल है। 'वॉर 2' में ऋतिक ने पहली फिल्म की तरह ही रॉ एजेंट कबीर की भूमिका निभाई है। फिल्म में जूनियर एनटीआर निगेटिव किरदार में नजर आएंगे, जबकि कियारा फीमेल लीड में दिखाई देंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मैंने अपनी आजादी के लिए 25 साल का समय दिया : फुकान

आज के समय में सोशल मीडिया ने कई लोगों की लाइफ बदली है। इस मीडियम के कई नुकसान तो कई फायदे भी हैं। काफी ऐसे लोग हैं, जो अपनी पोस्ट और रील्स की वजह से रातों-रात सोशल मीडिया पर वायरल हो जाते हैं। इन्हीं में से एक नाम है असम की रहने वाली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अर्चिता फुकान का। अर्चिता फुकान सोशल मीडिया पर बेबी डॉल आर्ची के नाम से मशहूर हैं। बीते दिनों उन्होंने अमेरिकन पॉर्न स्टार केंड्रा लस्ट के साथ एक फोटो शेयर की थी, जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गई थी। क्या आप जानते हैं कि आज बड़ी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बन चुकी अर्चिता फुकान कभी वेश्यावृति में थीं, जिससे निकलने के लिए उन्होंने बड़ी कीमत चुकाई थी। अर्चिता फुकान ने खुद अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साल 2023 में एक पोस्ट शेयर करते हुए ये खुलासा किया था कि वह छह साल तक वेश्यावृति के काम में थीं। उन्होंने अपनी दो तस्वीरें भी शेयर की थी, जिसमें एक फोटो में वह रूम में बैठी हैं और दूसरी में वह ब्लैक शॉर्ट्स और टॉप के साथ बैठी हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अर्चिता ने लिखा था, आपका अतीत आपकी जर्नी नहीं समझा सकता। छह साल तक इंडिया में वेश्यावृति की काली दुनिया में फंसे रहने के बाद मैं इसकी बेड़ियां तोड़कर निकलने में सफल रही थी। मैंने अपनी आजादी के लिए उस समय 25 साल रुपए दिए थे। अपने इस पोस्ट के साथ अर्चिता फुकान ने आगे कैप्शन में लिखा था, आज, जब मैं अपने भयानक अतीत के बारे में सोचती हूं, तो मैं मजबूती के साथ खड़ी होती हूं और अपने अंदर ये उम्मीद रखती हूं कि किसी भी इंसान के अंदर इतनी पावर होती है कि वह अपने सबसे अंधकारमय समय से निकलकर उससे जीत सकता है। अपने एक विश्वसनीय दोस्त की और मेरे जैसे सर्वाइवर की मदद करने वाले ऐसे ऑर्गेनाइजेशन की मदद से मैं 8 लड़कियों और महिलाओं को आजाद करके नई लाइफ देने में सफल रही हूं। जिसकी मुझे बहुत ज्यादा खुशी है। अर्चिता फुकान तब चर्चा में आई थीं, जब उन्होंने अमेरिकन एडल्ट स्टार केंड्रा लस्ट के साथ फोटो तो शेयर की ही थी, लेकिन साथ में वह न्यूज पोस्ट भी शेयर किया था, जिसमें लिखा था कि केंड्रा उन्हें ब्लू फिल्मों की दुनिया में एंट्री लेने में मदद कर रही हैं। अर्चिता के पहले इंस्टाग्राम पर 6 लाख 70 हजार फॉलोअर्स थे, लेकिन जैसे ही उनका ये पोस्ट वायरल हुआ उनके प्रशंसकों की संख्या ब?कर 1 मिलियन यानी कि 10 लाख तक पहुंच गई। वह अपने इंस्टाग्राम पर काफी बोल्ड फोटोज और वीडियोज शेयर करती हैं।

एक बार फिर साथ काम करेंगे इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया

हिमेश रेशमिया और इमरान हाशमी की जोड़ी ने बॉलीवुड को कई बेहतरीन गाने और थ्रिलर फिल्में दीं हैं। अब यह जोड़ी एक बार फिर गनमास्टर जी9 में साथ में काम करने को तैयार हैं। फिल्म के निर्माताओं ने बुधवार को इसका टीजर रिलीज किया है। इस खबर से फैंस उत्साहित हैं।

फिल्म निर्माता दीपक मुकुट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक रहस्यमई हाथ एक दूध भरी बाल्टी से निकलता है। इस दौरान इमरान हाशमी कहते हैं। मुझसे मचमच किया तो चलेगा। गलती से परिवार को छुआ तो याद रखना। धंधे से दूध वाला हूं, बंदा बारूद वाला हूं।

2026 में रिलीज होगी फिल्म

इस वीडियो के कैप्शन में लिखा है दूध से बारूद तक, सब्जी से गुंडा तक, गोली से पीटने तक, गनमास्टर जी9 तबाही के लिए तैयार है। टीम घातक है। दीपक मुकुट, नर मुकुट, सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट, इमरान हाशमी, आदित्य दत्त और हिमेश रेशमिया को वापस लाकर खुश है। इनके साथ जेनेलिया देशमुख और अपारशक्ति खुराना हैं। गनमास्टर जी9 सिनेमाघरों में 2026 को आएगी।

इस पोस्ट पर कई यूजर्स ने कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा है आखिरकार हिमेश रेशमिया और इमरान हाशमी एक साथ हैं। 2000 का दौर फिर से वापस आएगा। एक और यूजर ने लिखा है हे भगवान, 2025 में इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया। वाह क्या साल है। एक दूसरे यूजर ने लिखा है लंबे समय के बाद इमरान हाशमी और हिमेश रेशमिया। पुराने और सुनहरे दिन वापस आ रहे हैं।

इस राजा ने लगाया था यूरीन टैक्स विरोध पर बेटे को सीखाया सबक

क्या आप जानते हैं कि प्राचीन रोमन साम्राज्य में सरकार ने राजस्व जुटाने के लिए कितने अजब-गजब तरीके अपनाए थे? आय, संपत्ति और बिक्री जैसे सामान्य टैक्सेस से अलग वहां अलग-अलग सम्राटों यानी राजाओं ने कुंवारे लोगों पर, दाढ़ी रखने से लेकर टोपी पहनने और यहां तक कि घर में खिड़कियां लगाने पर भी टैक्स लगा दिया था। लेकिन सबसे हैरान करने वाला 'यूरीन टैक्स यानी पेशाब पर टैक्स' था। सुनने में थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन यह सच है। इस टैक्स को रोमन सम्राट वेस्पासियन ने लगाया था, जिसने इतिहास को एक लोकप्रिय मुहावरा दिया, पैसे में बदबू नहीं होती! इस विचित्र टैक्स का जब रोमन सम्राट वेस्पारियन के बेटे ने विरोध किया था, तब उन्होंने अनोखे अंदाज में सबक सीखाया था।

दरअसल, प्राचीन रोम में टैक्स सिस्टम में चार मुख्य स्तंभ शामिल थे, जिसमें पशुधन कर, भूमि कर, सीमा शुल्क और व्यावसायिक आय पर टैक्स लगता था। लेकिन बाद में रोमन के कई सम्राट इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने विधवाओं और अनाथों पर भी टैक्स लगाया, साथ ही उन गुलाम मालिकों पर भी, जो अपने दासों को आज़ाद करते थे। लेकिन इन शुल्कों में से सबसे असामान्य और यादगार था यूरीन टैक्स। पहली शताब्दी ईस्वी में सम्राट वेस्पासियन द्वारा पेश किया गया यह बदबूदार, लेकिन लाभदायक टैक्स न केवल शाही खजाने को भरने में मदद करता था, बल्कि इसने इतिहास के सबसे लोकप्रिय वित्तीय मुहावरों में से एक को भी जन्म दिया, पेकुनिया नॉन ओलेट यानी पैसे में बदबू नहीं होती। बता दें कि प्राचीन रोमनों के लिए मूत्र सिर्फ एक अपशिष्ट नहीं, बल्कि इससे कहीं अधिक उपयोगी और मूल्यवान वस्तु थी। अमोनिया से भरपूर होने के कारण इसमें कई रासायनिक गुण थे, जो इसे कई उद्योगों में महत्वपूर्ण बनाते थे। चर्मकार इसका उपयोग जानवरों की खाल को नरम और अधिक लचीला बनाने में करते थे, तो धोबी ऊनी कपड़ों और ब्लीच के लिए इसका उपयोग करते थे। इन कपड़ों को बासी मूत्र के बड़े-बड़े बर्तनों में भिगोया जाता था और फिर गंदगी और तेल को निकालने के लिए श्रमिकों द्वारा रौंदा जाता था। साबुन के बिना एक युग में अमोनिया एक प्राकृतिक डिटर्जेंट के रूप में कार्य करता था, कपड़ों को सफेद करता था और उनकी दुर्गंध दूर करता था। मूत्र ने रंगाई में भी भूमिका निभाई, जहां इसने वस्त्रों पर रंगों को स्थिर करने में मदद की।

अजब-गजब | अजीबो-गरीब हैं कोरबा के इन इलाकों के नाम

यहां राजाओं के खजाने से लेकर सूअर के लोटने दूल्हा-दुल्हन व चट्टानों तक हैं गांव के नाम

कोरबा। कहते हैं कि हर नाम के पीछे कोई न कोई रहस्य या कहानी छिपी होती है। किसी स्थान या वस्तु का नाम अक्सर उसके गुण, दोष या इतिहास पर आधारित होता है। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में भी ऐसे कई गांव हैं जिनके नाम बेहद अजीबो-गरीब हैं, लेकिन इन नामों के पीछे दिलचस्प कहानियां छुपी हैं। कुछ गांव जानवरों के नाम पर हैं, तो कुछ दूल्हा-दुल्हन या चट्टानों से जुड़े हैं। कोरबा के कुछ ऐसे ही अनोखे नामों वाले गांवों और उनके पीछे छिपी कहानियों को जानने का प्रयास किया है।

कोरबा जिले के ऐतिहासिक गांवों में से एक है कोसगई। संस्कृत शब्द कोष जिसका अर्थ राजस्व या खजाने से है, से बना कोसगई, खजाने के घर का प्रतीक है। कहा जाता है कि यह छत्तीसगढ़ में लंबे समय तक राज करने वाले कलचुरी राजवंश की राजधानी हुआ करती थी। इतिहास में भी ऐसे उल्लेख मिलते हैं। यहां कई प्राचीन गुफाएं हैं, जिनके रास्ते बेहद दुर्गम हैं। कोसगई के बारे में कहानियां मशहूर हैं कि राजा-महाराजा यहां अपना खजाना छिपाकर रखते थे। आज भी इन

गुफाओं के रहस्य पूरी तरह से उजागर नहीं हुए हैं।

प्रकृति और परंपरा का संगम कोरबा के करतला क्षेत्र में एक दिलचस्प नाम वाला गांव है सूअरलोट। इसी गांव में दूल्हा-दुल्हिन पहाड़ भी स्थित है, जो प्राचीन शैल चित्रों के लिए जाना जाता है। इस पहाड़ पर पत्थरों पर दो मानव आकृतियां अंकित हैं, जिनके हाथ ऊपर की ओर उठे हुए हैं। इन शैल चित्रों के कारण ही इस पहाड़ का नाम दूल्हा-दुल्हिन पहाड़ पड़ा। गांव में जब भी कोई विवाह होता है, तब दूल्हा और दुल्हन दोनों इस पहाड़ को निमंत्रण समर्पित करते हैं, जिसके बाद ही मंगल कार्य शुरू किए जाते हैं। वहीं, सूअरलोट नाम के पीछे की कहानी यह है कि इसी पहाड़ के ऊपर एक समतल स्थान पर जंगली सूअर लोटते थे, जिसके कारण गांव का नाम ही सूअरलोट पड़ गया।

भाजपा सरकार टैक्स बढ़ा रही सुविधाएं कम कर रही : पटवारी

» जनता की पीड़ा के साथ खड़े कांग्रेसियों ने किया आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। नगर निगम की टैक्स वृद्धि के विरोध ने कांग्रेस ने 22 जोन पर प्रदर्शन करके टैक्स वृद्धि का कड़ा विरोध किया। इसमें महिला कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में शामिल हुईं। सुखलिया क्षेत्र में स्थित नगर निगम के जोनल कार्यालय पर हुए प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी पहुंचे। उन्होंने नगर निगम के टैक्स वृद्धि को जनता के खिलाफ बताया। कांग्रेसियों ने शहर की अन्य समस्याओं को भी बयां किया और कहा कि शहर में नगर निगम जनता को सुविधाएं नहीं दे पा रहीं है, जबकि इसके उलटे जनता पर टैक्स वृद्धि कर बोझ डाला जा रहा है।

कांग्रेसियों ने सवाल किया कि जब शहर में जनता को पीने का साफ पानी नहीं मिल पा रहा है, सड़कों पर जगह जगह गड्ढे हैं तो फिर नगर निगम द्वारा जनता पर टैक्स वृद्धि कर अर्थिक बोझ क्यों बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि जनता की पीड़ा को समझते हुए सभी 22 जोन पर कांग्रेसियों ने आंदोलन किया है। जीतू पटवारी ने कहा कि शहर की जनता ने भाजपा को बहुमत दिया लेकिन बदले में जनता पर टैक्स की डबल मार पड़ी है। उन्होंने नगर निगम में भ्रष्टाचार के भी आरोप लगाए। जीतू पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश मे कांग्रेस की सरकार बनते ही जिन्होंने भ्रष्टाचार किया है वे सलाखों के पीछे नजर आएंगे।

पीटी-जीटी-डब्ल्यूटी टैक्स लग रहा : राकेश

म.प्र. कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव राकेश सिंह यादव ने इंदौर नगर निगम के जोन क्रमांक 9 पर निगम टैक्स वृद्धि का विरोध करते हुए कहा की इंदौर नगर निगम को जन विरोधी रवैया छोड़कर जन हितैषी रवैया अपनाना चाहिए। नगर निगम टैक्स को लेकर नई परिभाषा पूर्व महासचिव ने दी। नगर निगम टैक्स को पीटी-जीटी-डब्ल्यूटी का नया नामकरण करके पीटी- पनिशमेंट टैक्स, जीटी- गब्बर सिंह टैक्स, डब्ल्यूटी - रांग टैक्स बताया है। आम जनता पर टैक्स वृद्धि का बोझ पिछले दरवाजे से आंकड़ों की बाजीगरी करके थोप दिया गया है। इंदौर नगर निगम को बढ़ाए गए टैक्स वृद्धि पर पुनर्विचार करना चाहिए। पूर्व महासचिव ने इंदौर नगर निगम परिषद से मांग की है कि एडवांस सम्पति कर में 6.25 प्रतिशत की छूट को बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया जाए।

पटवारी पर दर्ज प्राथमिकी मामले में थाना प्रभारी को हटाया जाए : दिग्विजय

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पार्टी की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के मामले में मुंगावली थाना प्रभारी पर नियमों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाए जाने की मांग की है। सिंह ने कांग्रेस के 'न्याय सत्याग्रह' के बाद मुंगावली थाना क्षेत्र के मूडरा बड़वाह गांव पहुंचे। मुंगावली पुलिस ने पिछले महीने मूडरा बरवाह गांव के लोधी समुदाय के एक युवक को मल खिलाए जाने की खबर के सिलसिले में पटवारी पर मामला दर्ज किया था। यह शिकायत पीड़ित युवक ने ही दर्ज कराई थी। हालांकि पुलिस ने मल खिलाने के आरोप को गलत बताया था और पटवारी पर युवक से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करके समाज में वैमनस्य फैलाने, जातियों के बीच झगड़े भड़काने और शांति भंग करने का आरोप लगाया था। सिंह ने यह दावा भी किया कि जब वह मूडरा गए तो पता चला कि गजराज लोधी और रघुराज लोधी पिछले कई दिनों से 'गायब' हैं।

भाजपा ने लोगों को मुसीबत में डाल दिया : भारद्वाज

» ओवरएज्ड वाहनों पर लगे बैन पर नहीं रूक रहा बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सेंटर फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) द्वारा ओवरएज वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध के कार्यान्वयन को 1 नवंबर तक स्थगित करने के फैसले का स्वागत किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह जनहित में लिया गया सराहनीय निर्णय है। यह फैसला पर्यावरण संबंधी चिंताओं और नागरिकों की आजीविका के प्रति संतुलित और मानवीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। वहीं आप लगातार इस आदेश की आलोचना कर रही है। दिल्ली आप अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, इन्होंने सीएक्यूएम को चिट्ठी लिखकर कहा कि वे जो कर रहे हैं ठीक कर रहे हैं, हम सीएक्यूएम के साथ हैं और इसी तरह प्रदूषण कम होगा।

सीएक्यूएम ने कहा है कि 1 नवंबर से ईएलवी वाहनों पर बैन दिल्ली समेत गाजियाबाद, गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद और सोनीपत में लगेगा। इस पर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इन्होंने दिल्ली और आसपास के सभी लोगों के लिए एक बड़ी मुसीबत खड़ी कर दी है। राजधानी में 15 साल पुरानी पेट्रोल और 10 साल पुरानी डीजल गाड़ियों पर लगी ईंधनबंदी फिलहाल हटा दी गई है। यह फैसला सीएक्यूएम की 24वीं बैठक में मंगलवार को लिया गया। ऐसे में आयोग ने अपने फैसले में कहा है कि ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरा सिस्टम या ईंधन पंप स्टेशनों पर स्थापित अन्य ऐसी प्रणालियों के माध्यम से पहचाने गए सभी समय पूरा कर चुके वाहन (ईओएल) वाहनों को दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और सोनीपत के पांच उच्च वाहन घनत्व वाले जिलों में 1 नवंबर, 2025 और शेष एनसीआर में 1 अप्रैल, 2026 से ईंधन भरने से मना कर दिया जाएगा।

सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 7(1) में संशोधन हो

» अधिवक्ता एस एम हैदर रिजवी ने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आरटीआई अधिनियम, 2005 के तहत जीवन और स्वतंत्रता से संबंधित प्रकरणों में 48 घंटे के भीतर सूचना देने के प्रावधान को प्रभावी ढंग से लागू कराने हेतु एक विधिक प्रयास के अंतर्गत एस एम हैदर रिजवी, एलएलएम (स्वर्ण पदक), अधिवक्ता द्वारा उत्तर प्रदेश शासन को एक विस्तृत विधिक प्रत्यावेदन प्रेषित किया गया है। प्रत्यावेदन में स्पष्ट किया गया है कि सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 7(1) में यह स्पष्ट उल्लेख है कि यदि मांगी गई सूचना किसी व्यक्ति के जीवन या स्वतंत्रता से संबंधित है, तो वह सूचना 48 घंटे के भीतर प्रदान की जानी चाहिए।

उत्तर प्रदेश शासन को भेजा पत्र

यह पत्र सामान्य प्रशासन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन को संबोधित करते हुए भेजा गया है और उससे पूर्व उत्तराखंड, दिल्ली व अन्य राज्यों में लागू समान आदेशों और मिसालों को संदर्भित किया गया है। सूचना अधिकार क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यदि उक्त संशोधन और आदेश जारी नहीं किए गए, तो धारा 7(1) का यह प्रभावशाली प्रावधान मात्र कागजों तक सीमित रह जाएगा और विधिक प्रक्रिया की मूल आत्मा को क्षति पहुंचेगी।

हालांकि, उत्तर प्रदेश सूचना का अधिकार नियमावली, 2015 में इस विशेष अपवाद के अनुरूप कोई प्रक्रिया या समयबद्ध व्यवस्था निर्धारित नहीं की गई है, जिसके कारण संबंधित विभागों द्वारा समय से सूचना उपलब्ध नहीं कराई जाती और नागरिकों को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित होना पड़ता है।

तीन विधायक विस से असंबद्ध घोषित

» विस अध्यक्ष कार्यालय ने जारी किया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी से निष्कासित किए गए विधायकों को यूपी विधानसभा से असंबद्ध घोषित कर दिया गया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। बता दें कि सपा ने मनोज कुमार पांडेय, राकेश प्रताप सिंह और अभय सिंह को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। इस फैसले के बाद तीनों विधायक को सदन में अलग बैठने की व्यवस्था की जाएगी। अब वो सपा विधायकों के साथ नहीं बैठ सकेंगे। बता दें कि इन सभी विधायकों ने बीते साल हुए राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की थी और भाजपा उम्मीदवारों का समर्थन किया था जिसके बाद उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों का हवाला देते हुए कार्रवाई की गई थी। मनोज पांडेय रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं।

हालांकि, उन्होंने लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी छोड़ दी थी। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के बाद से वह भाजपा के खेमे में आ गए थे। लोकसभा चुनाव के पहले रायबरेली सीट से इस बात के भी संकेत मिल रहे थे कि हो सकता है कि मनोज पांडेय को ही टिकट दे दिया जाए। बाद में दिनेश प्रताप सिंह को रायबरेली से टिकट मिला। खास बात यह रही कि मनोज पांडेय ने दिनेश प्रताप सिंह की सभाओं से दूरी बनाई थी। उनकी नाराजगी को भांपकर गृहमंत्री अमित शाह उनसे मिलने के लिए घर गए थे। इसके बाद वह चुनाव प्रचार के लिए निकले थे।

अखिलेश ने कसा था तंज

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीन विधायकों पर कार्रवाई के बाद तंज कसते हुए कहा था कि उन्हें मंत्री बनाने में दिक्कत है। वे सपा के विधानसभा सदस्य हैं। मंत्री बनेंगे तो उन्हें सदस्यता से इस्तीफा देना पड़ेगा। जहां तक जानकारी है कि इन सभी विधायकों को मंत्री बनाने का आश्वासन दिया गया था। उन्होंने कहा कि अब भाजपा की जिम्मेदारी है कि निष्कासित विधायकों को मंत्री बनाए। हमने तकनीकी दिक्कत को दूर कर दिया है। अखिलेश ने कहा कि अगली खेप में हम इसी तरह से कुछ और विधायक उन्हें मंत्री बनाने के लिए दे देंगे।

भारत ने टी20 सीरीज में 3-1 की बनाई अजेय बढ़त

» भारतीय महिला टीम ने चौथे मैच में इंग्लैंड को छह विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनचेस्टर। भारतीय महिला टीम ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में इंग्लैंड को छह विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है। इस सीरीज का आखिरी मुकाबला 12 जुलाई को बर्मिंघम में खेला जाएगा। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 126 रन बनाए थे।

जवाब में भारतीय टीम ने 17 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत ने पहला टी20 97 रन से और दूसरा 24 रन से जीता था। इसके बाद इंग्लैंड ने तीसरा टी20 पर पांच रन से अपने नाम किया था। श्रीचरणी (2/30) और राधा यादव (2/15) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड को सात विकेट पर 126 रन के स्कोर पर रोक दिया। जवाब में भारत को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने अच्छी शुरुआत दिलाई। टीम इंडिया को पहला झटका 56 के स्कोर पर लगा। शेफाली 31 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, मंधाना ने 32 रन की पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर 26 रन और अमनजोत कौर दो गेंद में दो रन बनाकर आउट हुईं। जेमिमा रॉड्रिग्स ने फिर ऋचा घोष के साथ मिलकर भारतीय टीम को जीत दिला दी। जेमिमा 22 गेंद में 24 रन बनाकर नाबाद रहें। वहीं, ऋचा सात रन बनाकर नाबाद रहीं।

टेस्ट रैंकिंग में बुमराह और जडेजा का जलवा बरकरार

दुबई। आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में टेस्ट ऑलराउंडर्स में भारत के रवींद्र जडेजा और टेस्ट गेंदबाजों में भारत के जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक नए नंबर एक टेस्ट बैटर बन गए हैं। उन्होंने अपने ही देश के जो रूट को हटाकर यह स्थान हासिल किया। वहीं भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और इंग्लैंड के बल्लेबाज जेमी स्मिथ की रैंकिंग में सुधार हुआ है। गिल ने 15 स्थानों की छलांग लगाई और छठे पायदान पर पहुंच गए हैं। वहीं, स्मिथ भी टॉप 10 में पहुंच गए हैं। भारतीय बल्लेबाजों में शुभमन गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल (चौथे) और ऋषभ पंत आठवें पायदान पर मौजूद हैं।

सिर्फ भाषण और विज्ञापनबाजी में व्यस्त है भाजपा नेतृत्व : खरगे

एनडीए सरकार बर बरसे कांग्रेस अध्यक्ष, बोले- उदासीनता की सारी हदें पार कर चुके हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात के वडोदरा में एक पुल ढहने की घटना का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सिर्फ भाषण और विज्ञापनबाज़ी में व्यस्त भाजपा नेतृत्व और सरकार उदासीनता की सारी हदें पार कर चुके हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि यह नेतृत्व संकट, चौतरफ़ा भ्रष्टाचार और सरकार चलाने की क्षमता में कमी का नतीजा है। अधिकारियों ने बताया कि वडोदरा में बुधवार सुबह लगभग चार दशक पुराने एक पुल का कुछ हिस्सा ढह जाने के कारण 13 लोगों की मौत हो गई।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, देश में आए दिन दुर्घटनाएँ आम बात हो गई हैं। कभी रेल दुर्घटना, कहीं उद्घाटन के साथ ही पुल में दरार आना। अभी विमान दुर्घटना के हादसे से देश उबर नहीं पाया है कि कल गुजरात से पुल ढहने की खबर आ गई। 13 मासूम जानें चली गईं। उन्होंने पीड़ितों के परिजन के प्रति संवेदना प्रकट की। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ख़बरों के अनुसार तीन साल पहले ही पुल हिलने से खतरनाक स्थिति की बात कही गई थी। फिर भी कुछ नहीं किया गया। 2021 से यह गुजरात में पुल गिरने की सातवीं घटना है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे देश में शासन के नाम पर केवल भाषण और विज्ञापनबाज़ी में व्यस्त भाजपा नेतृत्व और सरकार उदासीनता की सारी हदें पार कर चुके हैं।

खरगे ने दावा किया कि यह नेतृत्व संकट, चौतरफ़ा भ्रष्टाचार और सरकार चलाने की क्षमता में कमी, और अक्षमता का नतीजा है। उन्होंने कहा, उम्मीद है देश की जनता इसे देख रही है और समय आने पर इसका माकूल जवाब देगी।

पीएम सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता और मणिपुर का दौरा कब करेंगे : जयराम रमेश

कांग्रेस ने एक बार फिर से पीएस मोदी पर मानसून सत्र के एजेंडा पर विचार न करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पांच देशों की आधिकारिक यात्रा संपन्न होने के बाद बृहस्पतिवार को तंज भरे लहजे में कहा कि अब वह चाहें तो मानसून सत्र का एजेंडा तय करने के लिए सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने के साथ हिंसा प्रभावित मणिपुर जाने, पहलगाम के आतंकवादियों को अब तक न्याय के कठघरे में क्यों नहीं लाया गया है, इसकी समीक्षा करने और अपने गृह राज्य में लगातार गिरते-ढहते, नाकाम होते बुनियादी ढांचे पर विचार करने के लिए समय निकाल सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के अलावा पांच देशों - घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भारत अपने 'सुपर प्रीमियम फ्रीक्वेंट फ्लायर' प्रधानमंत्री का स्वागत करता है, जो शायद अगली विदेश यात्रा से पहले तीन हफ्तों के लिए देश में रहेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कटाक्ष करते हुए कहा कि अब जब वे देश में हैं, तो शायद उन्हें मणिपुर जाने का समय मिल जाए, जहां लोग दो साल से अधिक समय से उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं। कांग्रेस नेता का कहना है, ''वह यह भी समीक्षा कर सकते हैं कि पहलगाम में हुए आतंकी हमलों के दोषियों को अब तक न्याय के कठघरे में क्यों नहीं लाया गया, अपने गृह राज्य में लगातार गिरते-ढहते, नाकाम होते बुनियादी ढांचे पर ध्यान दे सकते हैं, और बाढ़ से तबाह हिमाचल प्रदेश के लिए सहायता राशि मंजूर कर सकते हैं।' रमेश ने कहा, ''वह चाहें तो जीएसटी में व्यापक सुधार पर भी ध्यान दे सकते हैं, जिससे आम उपभोग को प्रोत्साहन मिल सके और कुछ खास बड़े कॉरपोरेट समूहों के अलावा बाकी निजी कंपनियों को भी निवेश के लिए प्रेरित किया जा सके।'' उन्होंने कहा कि बदलाव के तौर पर वह मानसून सत्र के लिए एजेंडा तय करने के उद्देश्य से सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता भी कर सकते हैं। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है।

एमएनएस और शिंदे गुट की तुलना गलत : प्रियंका चतुर्वेदी

» डिप्टी सीएम पर कसा तंज, कहा-चुने हुए विधायक कर रहे गुंडागर्दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद और शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने एक बड़ी बयान दिया है। उन्होंने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) और उनके दल के पूर्व सांसद की कार्रवाई की तुलना शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के विधायक संजय गायकवाड़ की हरकत से करने को गलत बताया है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने स्पष्ट किया कि जनता द्वारा चुने गए नेताओं से ज्यादा जिम्मेदारी और समझदारी की उम्मीद की जाती है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे गुट के विधायक द्वारा कैंटीन कर्मचारी के साथ मारपीट करने की घटना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा,जो व्यक्ति कैंटीन कर्मचारी को पीट रहा है, वह महाराष्ट्र का चुना हुआ विधायक है। उसे जिम्मेदारी और परिपक्वता दिखानी चाहिए थी। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जब स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर मजाक किया था, तब उनके समर्थकों ने स्टूडियों को तोड़ दिया था। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले शिंदे गुट में बार-बार देखे जा रहे हैं। प्रियंका चतुर्वेदी ने एमएनएस कार्यकर्ताओं द्वारा एक दुकानदार पर हमला करने के मामले में कहा कि वह भाषा नहीं बल्कि असम्मान को लेकर था। इस मामले में कानून ने काम किया और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। जमानती धाराएं लगने के बाद वे जमानत पर छूटे हैं।

विधायक पर अब तक एफआईआर नहीं

इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक संजय गायकवाड़ के खिलाफ कोई एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई और न ही उनके खिलाफ कोई बोल रहा है। प्रियंका ने कहा,मैं किसी को सही ठहराने की कोशिश नहीं कर रही हूं, सिर्फ फर्क समझा रही हूं। पूर्व सांसद राजन विचारे के ऑफिस में कथित तौर पर व्यापारियों को थप्पड़ मारने की घटना पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि इसका भाषा से कोई लेना-देना नहीं थी। उन्होंने कहा कि मामला एक शिवसेना कार्यकर्ता से जुड़ा था जिसे मोबाइल कनेक्शन मांगने पर पीटा गया। विचारे ने दोषियों को ऑफिस बुलाकर कारण पूछा, लेकिन स्थिति बिड़ गई।

भाषा को थोपना सही नहीं

राज्यसभा सांसद ने बताया कि हाल ही में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक मंच पर इसलिए आए क्योंकि महाराष्ट्र सरकार ने एक जीआर (सरकारी आदेश) के तहत पहली कक्षा से ही हिन्दी को तीसरी अनिवार्य भाषा बना दिया था। इस पर कई लोगों ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा, हम हिन्दी के खिलाफ नहीं है। मुंबई में हिन्दी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री है और राज्य में एक करोड़ से ज्यादा हिन्दीभाषी लोग रहते हैं। लेकिन भाषा को थोपना सही नहीं है।

आपातकाल एक सबक है : शशि थरूर

सांसद ने कांग्रेस पर किया कटाक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। आपातकाल की तीखी आलोचना करते हुए एक लेख में, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि यह लेख दर्शाता है कि स्वतंत्रता का हनन कैसे होता है और इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे दुनिया मानवाधिकारों के हनन की भयावह सूची से अनजान रही। प्रोजेक्ट सिंडिकेट द्वारा प्रकाशित इस लेख में, थरूर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सत्तावादी दृष्टिकोण ने सार्वजनिक जीवन को भय और दमन की स्थिति में धकेल दिया। साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि आज का भारत 1975 का भारत नहीं है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा है कि आपातकाल को भारत के इतिहास में काले अध्याय के रूप में ही याद नहीं किया जाना चाहिए बल्कि इससे मिले सबक को पूरी तरह से समझा जाना चाहिए और लोकतंत्र के प्रहरियों को हमेशा सतर्क रहना चाहिए। मलयालम दैनिक 'दीपिका' में बृहस्पतिवार को आपातकाल पर प्रकाशित एक लेख में कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य ने 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा घोषित आपातकाल के काले दौर को याद किया और कहा कि अनुशासन और व्यवस्था के लिए किए गए प्रयास अक्सर क्रूरतापूर्ण कृत्यों में बदल जाते हैं जिन्हें उचित नहीं ठहराया जा सकता था। तिरुवनंतपुरम के सांसद ने लिखा, ''इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी ने जबरन नसबंदी अभियान चलाया जो इसका एक संगीन उदाहरण बन गया। पिछड़े ग्रामीण इलाकों में मनमाने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए हिंसा और बल का इस्तेमाल किया गया। नयी दिल्ली जैसे शहरों में झुग्गियों को बेरहमी से ध्वस्त कर उनका सफाया कर दिया गया। हजारों लोग बेघर हो गए। उनके कल्याण पर ध्यान नहीं दिया गया।'' उन्होंने कहा कि लोकतंत्र कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे हल्के में लिया जाए, यह एक अनमोल विरासत है जिसे निरंतर पोषित और संरक्षित किया जाना चाहिए।

निकाय चुनावों में नहीं होगा इंडिया गठबंधन : राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में आगामी नगर निकाय चुनावों में कोई भी इंडिया गठबंधन नहीं होगा। राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना द्वारा राज्य में हिंदी थोपने वाली भाजपा सरकार के खिलाफ मिलकर लड़ने के लिए अपने मतभेदों को भुलाने के बाद, अब इन दोनों दलों पर स्थानीय निकाय चुनावों के लिए चुनावी गठबंधन बनाने का जनता का दबाव है, जो बिहार चुनावों के आसपास होने की उम्मीद है।

शिवसेना यूबीटी नेता बोले

संजय राउत ने आगे दावा किया कि मैंने यह नहीं कहा कि शिवसेना और मनसे मिलकर (स्थानीय निकाय) चुनाव लड़ रहे हैं। मैंने कहा कि जनता की ओर से शिवसेना और मनसे पर स्थानीय निकाय चुनाव साथ लड़ने का दबाव और मांग है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि लोगों का मानना है कि अगर मराठी मानुस के अधिकारों की रक्षा करनी है, तो उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को साथ आना होगा....राज ठाकरे का काम करने का तरीका अलग है।

इस पर कोई टिप्पणी करने की जरूरत नही : पटोले

संजय राउत के बयान पर कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा कि मुझे इस पर कोई टिप्पणी करने की ज़रूरत नहीं है। मैं संजय राउत पर कोई टिप्पणी नहीं करूँगा। मैंने कई बार कहा है कि स्थानीय निकाय चुनाव स्थानीय कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं को विश्वास में लेकर लड़े जाते हैं। इसलिए इन चुनावों को इस तरह नहीं देखा जाना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या एमएनएस गठबंधन में शामिल होने पर एमवीए को मजबूत करेगी, कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा, हमने हमेशा कहा है कि हमारा हाई कमान इस पर फैसला करेगा। अगर हमारे गठबंधन के बाहर कोई भी गठबंधन में शामिल हो रहा है, तो निर्णय हमारे हाई कमान द्वारा किया जाएगा।

तेजस्वी यादव की सुरक्षा में चूक

काफिले में अचानक घुसी एक कार युवक गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना । नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। यह घटना पटना के मरीन ड्राइव के पास उस समय हुई जब वह नवादा से पटना लौट रहे थे। इस मामले में आरोपी शख्स से पटना सिटी के सुल्तानगंज थाने की पुलिस पूछताछ कर रही है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बिहार बंद के बाद शाम में नवादा गये थे। देर शाम लौटने के क्रम में पटना के मरीन ड्राइव के पास तेजस्वी यादव के काफिले में एक कार अचानक आ घुसी। कार सवार ने इससे पहले तेजस्वी यादव की गाड़ी को ओवरटेक किया और फिर उनके काफिले में वह कार घुस गई। ऐसा होते ही कुछ देर के लिए सुरक्षाकर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। आननफानन में सुरक्षाकर्मियों ने कार सवार को पकड़ लिया।

यमन में भारतीय नर्स की फांसी रोकने को सुप्रीम कोर्ट में याचिका

» सजा से 2 दिन पहले होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यमन में केरल की नर्स निमिषा प्रिया की 16 जुलाई को फांसी दी जानी है। लेकिन उसकी फांसी पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को स्वीकार कर लिया है। अब सर्वोच्च न्यायालय में फांसी की तारीख से सिर्फ 2 दिन पहले यानी 14 जुलाई को इस मामले पर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता रागेंथ बसंत ने याचिका दाखिल की है। अर्जी न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की आंशिक कार्यदिवस पीठ के सामने लगाते हुए इस मामले पर तत्काल सुनवाई करने की मांग की गई है। अधिवक्ता के. सुभाष चंद्रन के जरिए बसंत ने दलील दी कि शरीयत कानून के मुताबिक अगर पीड़ित के रिश्तेदार ब्लडमनी स्वीकार करने को तैयार हों जाएं तो किसी व्यक्ति को रिहा किया जा सकता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।